सक्सेस मिरर

वर्ष : 8
अंक : 91
अगस्त : 2017

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

7 | सम्पादकीय

8 | समसामयिकी घटना संग्रह

10 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

18 | आर्थिक घटना संग्रह
- जनसंख्या के मामले में वर्ष 2024 तक चीन से आगे होगा भारत : रिपोर्ट
- आरबीआई ने ₹500 का नया नोट जारी किया
- केन्द्र सरकार द्वारा एक रुपए का नोट जारी करने की घोषणा
- एफ-16 विमानों के निर्माण के लिए लॉकहीड और टाटा में समझौता

22 | राष्ट्रीय घटना संग्रह
- अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अहमदाबाद में बना विश्व रिकॉर्ड
- रामनाथ कोविंद होंगे एनडीए के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार
- राजस्थान में 'ट्रंप विलेज' बसाने की घोषणा की गई

25 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- भारत–जर्मनी ने 8 समझौतों पर हस्ताक्षर किए
- पनामा ने ताइवान के साथ राजनयिक सम्बन्ध खत्म किए
- कतर के साथ चार देशों ने कूटनीतिक सम्बन्ध समाप्त किए
- भारत और रूस ने पाँच समझौतों पर हस्ताक्षर किए

31 | खेल खिलाड़ी

- पाकिस्तान ने जीता चैम्पियंस ट्रॉफी 2017 का खिताब
- भारतीय क्रिकेट टीम एकदिवसीय मैचों में सर्वाधिक बार 300 रन बनाने वाली टीम बनी
- इंगलैंड ने अंडर-20 फुटबाल विश्व कप का खिताब जीता
- जीतू राय और हिना सिद्धू ने जीता गोल्ड मेडल
- तलवारबाज भवानी देवी को मिली स्वर्णिम सफलता

35 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

39 **सामयिक लेख**—दक्षेस देशों के लिए आसमानी उपहार
40 **अन्तरिक्ष लेख**—इसरो के भावी मिशन
41 **प्रौद्योगिकी लेख**—भौगोलिक सूचना/दिशासूचक प्रणाली (जीआई/पीएस) के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग
78 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**
79 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-88 का परिणाम**
81 **रोजगार अवसर**
82 **समसामयिक घटनाएं**

हल प्रश्न-पत्र

42 **मध्य प्रदेश पुलिस कॉंस्टेबल भर्ती परीक्षा, 2016**
49 **एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी लेवल (10 + 2) परीक्षा, 2016**
55 **हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा, 2015**
63 **राजस्थान सचिवालय क्लर्क भर्ती परीक्षा, 2016**
70 **रेलवे भर्ती बोर्ड गैर-तकनीकी (एनटीपीसी) परीक्षा, 2016**

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादक : महेन्द्र जैन
रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
सम्पादकीय ऑफिस
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in

दिल्ली ऑफिस
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66

पटना ऑफिस
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना– 800 004
फोन– 0612-2673340
मो– 09334137572

कोलकाता ऑफिस
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर,
कोलकाता– 700 003 (W.B.)
मो– 07439359515

हैदराबाद ऑफिस
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा आर.
टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036
(तेलंगाना) मो– 9391487283

हल्द्वानी ऑफिस
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल– 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो– 07060421008

इन्दौर
63-64, कैलाश मार्ग,
ग्राउण्ड फ्लोर,
श्रीजी एवेन्यू, मलहारगंज,
इन्दौर– 452 002 (म.प्र.)
फोन– 9203908088

लखनऊ ऑफिस
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

नागपुर ऑफिस
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान
मन्दिर के सामने,
नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
फोन– 0712-6564222
मो– 09370877776

कैक्टस की जीवन पद्धति अपनाइए

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

Advice From a CACTUS...

- Conserve your resources.
- Be patient through the dry spells.
- Get plenty of sunshine.
- Accentuate your strong points.
- Stay sharp.

कैक्टस एकान्त में प्रायः उपेक्षित बंजर स्थानों में खड़ा रहता है. उसको न खाद-पानी चाहिए और न किसी किसान अथवा वनस्पतिशास्त्री का वरदहस्त. वह प्रकृति के समस्त झंझावातों को झेलता हुआ, संत्रस्त जीवन व्यतीत करता हुआ, अपने अस्तित्व को बनाए रखता है. वह ''रामभरोसे जे रहें पर्वत पै हरियांइ'' की मान्यता को चरितार्थ करता है. विज्ञान द्वारा आविष्कृत विभिन्न प्रकार के विनाशकारी आयुधों एवं उपकरणों ने मानव-जीवन को संत्रास-संकुल बना दिया है. समस्त जीवन में मानव केवल अस्तित्व-वादी बनकर ही जीवित रह सकता है, इस प्रकार की प्रेरणा प्राप्त करने के लिए प्रबुद्ध जन का एक वर्ग कैक्टस की ओर देखता है.

कैक्टस की ओर प्रबुद्ध जन का ध्यान तब गया, जब यूरोप में प्रथम महायुद्ध और द्वितीय विश्वयुद्ध के मध्य अस्तित्ववाद नामक जीवन-दर्शन ने जोर पकड़ा और मानव जीवन की अपेक्षा मृत्यु को अधिक महत्वपूर्ण बताया जाने लगा.

अस्तित्ववादी चिंतन ने प्रयोगवादी अभिव्यक्ति को गहरे रूप में प्रभावित किया और उसी के साथ कैक्टस के दिन फिर गए. जो कैक्टस सर्वथा उपेक्षित था और कहीं ऊजड़ प्रदेश में एकान्त में अपने दुर्भाग्य पर रोया करता था, वह छोटे-बड़े नगरों में छोटे-बड़े गोरे-काले शौकीन लोगों के छोटे-बड़े भवनों की शोभा बढ़ाने वाला पौधा समझा जाने लगा. उसके गमले बरामदों में तथा स्वागत कक्षों में आगन्तुकों एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए देखे जाने लगे. यह सब कुछ वह अपनी अन्तर्निहित शक्ति के बूते पर करता है. उसकी प्रबल जिजीविषा प्रकृति की विषमताओं के सम्मुख उसे समर्पण नहीं करने देती है. हम मानव यदि अपनी जिजीविषा को सबल बनाकर प्रतिकूलतम परिस्थितियों का सामना करने का संकल्प कर लें, तो हमारा आत्मबल ऊर्जा रूप में हमारी रक्षा कर लेगा. हम भूल जाते हैं कि हमारा अन्तर्निहित आत्मबल प्रत्येक प्रतिकूलता में प्रकट होकर हमें सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है. महात्मा गांधी के शब्दों में ''आत्मबल का सबसे बड़ा प्रमाण यही है कि इतने युद्धों के बावजूद दुनिया अभी कायम है.''